डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 29 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 06 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

छुट्टी के बाद फिर बढ़ेगा बच्चों के कंधों का बोझ

एनईपी के नियमों का हो रहा उल्लंघन

मंदसौर, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। त्योहारों की छुट्टियों के बाद मासूमों के कंधे का बोझ एक बार फिर बढ़ जाएगा। शिक्षा अधिकारियों ने न्यू एजूकेशन पॉलिसी के इंप्लीमेंट का वादा किया है। लेकिन, शहर के स्कूल बैग पॉलिसी 2020 का पालन नहीं करवा पा रहे हैं। जबकि, इसे शिक्षण सत्र से ही लागू करना था। लेकिन, आज भी इस पॉलिसी का पालन नहीं किया जा रहा है।

एक बच्चे पर कितना बोझ...

किताबों का बोझ, पानी की बोतल, टिफिन बॉक्स और स्पोर्ट्स किट

यह है नियम...

स्कूलों को अपने यहां वेइंग मशीन लगानी चाहिए, ताकि बस्ते की तौल हो सके। स्कूलों में पीने के स्वच्छ पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि पानी की बोतल न ले जानी पड़े

कैसा हो स्कूली बैग...

बैग में अलग-अलग कंपार्टमेंट हों। ताकि सारी चीजें अलग-अलग फिट हो सकें। बैग में दो गद्देदार और एक बराबर पट्टियां हों। ताकि यह दोनों कंधों पर आसानी से चौकोर फिट हो सकें।

अभी यह है हाल...

कक्षा एक से पांच के लिए स्कूल बैग का वजन आम तौर पर 2 से 3.500 ग्राम हो। कहीं-कही 5 किलोग्राम तक है। जबकि, अंतरराष्ट्रीय मानक कहता है कि बैग का वजन शरीर के वजन का सिर्फ 10 प्रतिशत होना चाहिए।

यह है स्कूल बैग पॉलिसी...

भारत सरकार के स्कूल बैग पॉलिसी के अनुसार 10 से 16 किलोग्राम वजन वाले जो बच्चे प्री प्राइमरी क्लासेस में पढ़ रहे हैं, उन्हें अपने साथ स्कूल बैग ले जाने की जरूरत नहीं है। जो बच्चे पहली और दूसरी क्लास में पढ़ रहे हैं और उनका वजन 16 से 22 किलो के आस-पास है, वे अधिकतम 1.6 किलोग्राम से 2.2 किलो तक के वजन का ही बैग ले जाएंगे।

छह से 8 वींतक के लिए नियम...

कक्षा 6, 7 या 8वीं के बच्चे जिनका वजन 20 से 30 किलो तक है, वे अधिकतम 2 से 3 किलो तक का बैग अपने साथ स्कूल लेकर जाएंगे। यदि उनका वजन 25 से 40 किलो तक का है तो व2.5 से 4 किलो तक का बैग ले जा सकते हैं।

नौवीं से 12वीं तक के लिए नियम...

कक्षा9 से 12 के बचे 2.5 किलो से 5 किलो तक का बैग लेकर जा सकते हैं। नौवी- 10वीं के बैग का वजन 2.5 किलो से 4 या 5 किलो हो सकता है। जबकि, कक्षा 11 या 12 के स्टूडेंटस के स्कूल बैग का वजन 3.5 किलो से 5 किलो तक हो सकता है।

नजर अंदाज किए जा रहे धरती पुत्र

प्रशासन के दावे के बाद भी खाद को लेकर परेशान हो रहे किसान

मंदसौर, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के महामुकाबले के बीच प्रदेश के धरतीपुत्र खाद के संकट से जूझ रहे हैं। ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड सहित कई कीमती दस्तावेज जमीन पर रखकर घंटों खाद का इंतजार कर रहे हैं। घंटो की प्रतीक्षा के बाद कुछ ही किसानों को नाममात्र की खाद मिल पा रही है। इतने संघर्ष के बाद भी अधिकांश को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

अफसरों की लापरवाही के चलते किसान संकट के दौर से गुजर रहे हैं। खरीफ सीजन में बेमौसम बारिश ने फसलों को बर्बाद किया है। अब रबी सीजन की शुरुआत में ही शासन के जिम्मेदारों की लापरवाही ने किसानों के सामने चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। मालवा में तो अधिकांश जगहों पर स्थित खराब है। यहां बुवाई को काफी दिन हो चुके हैं, लेकिन यूरिया, एनपीके, डीएपी सहित सभी तरह की खाद को किसान तरस रहे हैं।

बता दें कि सहकारी समितियों से लेकर प्राइवेट दुकानों तक पर खाद का टोटा है। जिन अंचलों में प्राइवेट व्यवसायियों ने इसकी जुगाड़ कर रखी थी, वे मुनाफा कमाने के लिए किसानों को दोगुने दामों पर बेच रहे हैं। किसानों को चिंता यह है कि रबी सीजन दलहनी, तिलहनी और अनाज के हिसाब से किसानों की माली हालत सुधारने वाला होता है।

खेतो में यह है खाद का गणित...

किसानो को एक एकड़ खेत में डेढ़ बोरी खाद लगती है। इस हिसाब से लघु व सीमांत कृषक जिसके पास 2 से 5 एकड़ भूमि है, उसे 3 से 8 बोरी खाद चाहिए। मझोला किसान जिसके पास 5 से 10 एकड़ जमीन है, उसे 8 से 15 बोरी खाद चाहिए। इससे ज्यादा जमीन का काश्तकार है, उसे 16 से 50 बोरी खाद चाहिए। अगर किसान पूरा-पूरा दिन लाइन में लगे तो उसे कितनी खाद मिलेगी और वह खेत में पानी, दवा कब देगा। निंदाई-गुड़ाई कब करेगा? यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

दो युवकों के कब्जे से मिला 19 किलो डोडाचूरा, गिरफ्तार

मंदसौर, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी थाना पुलिस ने दो युवको को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 19 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मुखबीर से सूचना मिली थी कि दो युवक अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी कर किसी अन्य तस्कर को देने जाने वाले हैं।

पुलिस की तरफ से तुरंत घेराबंदी की जाए तो आरोपी गिरफ्त में आ सकते हैं। इस पर पुलिस ने बताए गए हुलिए वाले दो युवको को रोककर उनके बैग की तलाशी ली। बेग में 19 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा मिला। जिसे जप्त कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम प्रेमगीर पिता प्रकाश गिर गोस्वामी उम्र 21 साल निवासी धाकड़ पिपलिया थाना नाहरगढ मंदसौर और किशन लाल पिता पूरालाल अंजना उम्र 21 वर्ष निवासी गोगाखेड़ी थाना झारड़ा तहसील महिदपुर उज्जैन बताया। जिन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

दीपावली : रविवार को भी बाजार में रही रौनक

रवि पुष्य के चलते मार्केट में दिखी भीड़, सराफा, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाईल में बूम

मंदसौर, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रवि पुष्य नक्षत्र के साथ दुर्लभ संयोग बनने से बाजार में बंपर खरीदारी के शुभ संकेत मिले हैं। इस संयोग के चलते रविवार को भी बाजार में रौनक रही। रविवार को ज्वेलरी, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों की खरीदारी में उत्साह रहा। शहर में सराफा, कालीदास मार्ग, सम्राट मार्केट सहित अन्य बाजार उम्मीद की रोशनी से सराबोर हैं।

सोने-चांदी में लाखों का कारोबार...

सराफा व्यापारियो के अनुसार रवि पुष्य नक्षत्र में शनिवार और रविवार दो दिनों में 25 करोड़ रुपए तक कारोबार होने का कयास लगाया जा रहा है। इस त्योहारी सीजन में कुल कारोबार करोड़ो में होने की संभावना है।

ऑटोमोबाईल सेक्टर में बूम...

ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट के अनुसार पुष्य नक्षत्र से शुरू हो रहे खरीदारी सीजन में 40-50 करोड़ रुपए तक का कारोबार हो सकता है। एसयूवी कारों की मांग ज्यादा है। ईवी कारों की भी खासी पूछपरख है। धनतेरस के लिए 25-30 फीसदी एडवांस बुकिंग हो चुकी है।

रियल एस्टेट में भी एडवांस बुकिंग...

रियल स्टेट व्यवसायियों के अनुसार इस सीजन में एडवांस बुकिंग हो रही है। दीपावली तक करोड़ो के कारोबार की उम्मीद है। करीब 25 प्रतिशत घर खरीदार 50 लाख से 80 लाख वाले प्रीमियम फ्लैट्स, बंगलो बुक कर रहे हैं।

चमक रहा इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार...

इलेक्ट्रॉनिक्स के छोटे-बड़े शहर में 25-30 रिटेलर हैं। यहां पर एलईडी, डायरेक्ट ड्राइव वॉशिंग मशीन, 230 लीटर या इससे बड़े फ्रिज की मांग ज्यादा है। दीपावली तक पटाखा, क्रॉकरी, किराना सहित अन्य क्षेत्रों में लाखों के कारोबार की उम्मीद है।

चुनाव चिन्ह है या पूरी गृहस्थी

कुकर, अलमारी, बाल्टी से लेकर गेस सिलेंडर भी है चुनाव-चिन्ह

मंदसौर, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दोनो प्रमुख दलो के साथ ही अन्य राजनीतिक दलों के अलावा जिले की चारो विधानसभा क्षेत्रो में लगभग 19 निर्दलियों को चुनाव चिन्ह बांट दिए गए हैं। इसमें किसी को सिलाई मशीन, किसी को शिमला मिर्च, किसी को सेब, किसी को टॉर्च, केक, चूड़ी, स्टंप, फलों से युक्त टोकरी, प्रेशर कुकर, गैस सिलेंडर, बिस्कुट, हांडी, अलमारी, कोट, टेलीफोन, पेनड्राइव, चप्पल, माचिस, बिस्कुट, बाल्टी, कैल्कुलेटर, कैमरा, केन, कैरम बोर्ड, फूलगोभी, सीसीटीवी कैमरा, जंजीर, चक्की, चपाती रोलर, शतरंज का बोर्ड, चिमनी, चिमटी आदि रखे थे। इन चुनाव चिन्ह में पूरी गृहस्थी आ गई है।

पार्टी के तय चुनाव चिन्ह बांटे गए...

इस समय चुनाव प्रचार जोरों पर है। किसी के झंडे तो किसी के पेम्पलेट पर गृहस्थी से संबंधित चिन्ह दिखाई दे रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गृहस्थी के इन चुनाव चिन्हों के साथ महंगाई को मुद्दा बनाकर प्रत्याशी मैदान में उतरकर लोगों को रिझाने का प्रयास कर रहे हैं।

चुनाव में 192 चिन्ह आवंटित...

इसा बार निर्वाचन आयोग की तरफ से जूता, चप्पल, गेस सिलेंडर, कड़ाही, नूडल्स कटोरा, रोड रोलर, पिन के अलावा एसी, अलमारी, एप्पल, ऑटो रिक्शा, बेबी वॉकर, गुब्बारा, चूड़िया, फलों से भरी टोकरी, बल्ला, बल्लेबाज, बैटरी टॉर्च, मोतियों का हार, बेल्ट, बेंच, साइकिल पंप, दूरबीन, बिस्कुट, ब्लैक बोर्ड, आदमी व पाल युक्त नौका, बक्सा, डबल रोटी, ब्रेड टोस्टर, ईंट, ब्रीफकेस, ब्रुश, बाल्टी, केक, कैल्कुलेटर, कैमरा, केन, शिमला मिर्च, कैरम बोर्ड, फूलगोभी, सीसीटीवी कैमरा, जंजीर, चक्की, चपाती रोलर, शतरंज का बोर्ड, चिमनी, चिमटी, कोट, नारियल फार्म, कलर ट्रे और ब्रुश, कम्प्यूटर , माउस, चारपाई, क्रेन, घन, कटिंग फ्लायर, हीरा, डीजल पंप, डिश एंटीना, डोली, द्वारा हैंडल, दरवाजे की घंटी, ड्रिल मशीन, डंबल, कूड़ादान, कान की बालियां, बिजली का खंभा, लिफाफा, एक्सटेंशन बोर्ड, फब्बारा, कीप, प्रेसर कुकर सहित 192 चुनाव चिन्ह उम्मीदवारों को देने के लिए जारी किए गए थे।

नवंबर में भी दिन का पारा ज्यादा होने से नहीं हो रही ठंडक

मंदसौर, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नवंबर माह में भी दिन का पारा ज्यादा होने से ठंडक नहीं बढ़ पा रही है। यह तीन साल में सबसे गर्म है। पारा 16 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जबकि, 2021 की बात करें तो पारा 14 डिग्री तक आ गया था। मौसम जानकारों के मुताबिक प्रतिचक्रवात के कारण तापमान ज्यादा कम नहीं हो रहा है। वहीं अलनीनो इफेक्ट के चलते ज्यादा कमी नहीं होगी। नवंबर महीने के शुरुआती दिनों में तापमान 16 डिग्री से ज्यादा ही बना हुआ है। तीन साल की तुलना करें तो इस बार पारा सबसे ज्यादा है। जानकारों का कहना है कि प्रतिचक्रवात के कारण तापमान में ज्यादा कमी नहीं है। उनका कहना है कि अभी तापमान में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। पारा ऐसा ही बना रहेगा।

बढ़ रहा दिन का तापमान...

रविवार को दिन के तापमान में मामूली बढ़त हुई। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया। शनिवार के मुकाबले अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में 0.5 डिग्री को बढ़त दर्ज की गई है।

डाकमत पत्र से मतदान की शुरुआत– विधानसभा चुनाव 2023 के लिए डाक मतपत्र डालने की शुरुआत रविवार से हुई। बता दे कि ऐसे सरकारी कर्मचारी जिनकी ड्यूटी चुनाव कार्य में लगाई गई है उनको डाक से मत देने का अधिकार होता है। मतगणना के दिन पहले डाक मतपत्रों की गिनती होती है। इसके साथ ही 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गो और दिव्यांगो के लिए इस बार से चुनाव आयोग ने यह सुविधा प्रदान की है।

आज भी बरकरार है हाथ जोड़कर वोट मांगने की पुरानी परम्परा

सुवासरा विधानसभा चुनावः अपना-अपना गणित, अपना-अपना चुनाव प्रबंधन

नाहरगढ़, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बदलते समय के साथ चुनाव प्रचार के तौर तरीके काफी बदल एक है। लेकिन, हाथ जोड़कर वोट मांगने की पुरानी परंपरा आज भी बरकरार है। प्रत्याशी ही नही, उनके परिजन नाते-रिश्तेदार, दोस्त आदि भी अपने-अपने तरीके से प्रचार की कमान संभाल रहे है। खास बात यह है कि प्रचार का तरीका घर- घर मे हाथ जोड़कर वोट मांगना ही है। सुबह से ही प्रत्याशी की पत्नी, पति एवं बेटा-बेटियां अलग-अलग टोलियो में घर से निकल रहे हैं और देर रात ही घर लौट रहे हैं।

सुवासरा विधानसभा सीट पर प्रचार के तरीकों को देखे तो प्रत्याशी के घरवालों का महत्वपूर्ण योगदान नजर आ रहा है। न केवल प्रचार, बल्कि पारिवारिक सदस्य पूरा चुनाव प्रबंधन भी संभाल रहे हैं। अपने-अपने गणित के हिसाब से मिनट दर मिनट का लेखा-जोखा पहले से ही तय किया जा चुका है। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान में अब सिर्फ दो हफ्तों से कम समय है। ऐसे में पारिवारिक सदस्य एवं इस्ट मित्रगण रातदिन एक किए हुवे है। भाजपा कांग्रेस के प्रत्याशी नेताजी के विधानसभा की भाषण मिजाज का अपने तरीके से ध्यान रख रहे हैं। तो कहीं परेशानियों को आधार बना रहे हैं। सुवासरा विधानसभा को लेकर भाजपा और कांग्रेस का प्रचार

धुंआधार दौर में पहुंच गया है। कद्दावर नेता शहर से लेकर गांव तक बिछ गए हैं। घर-घर जाकर जहां वोटरों से संपर्क कर रहे हैं। आने वाले दिनों में प्रचार और तेजी पकड़ेगा। चटक धूप की परवाह भी कार्यकर्ताओं को नहीं है। देर रात तक दोनों पार्टी के कार्यकर्ता कार्यालयों में पहुंच रहे हैं। वहीं चुनावी गणित बिठाया जा रहा है। हालांकि भाजपा, कांग्रेस में आमने-सामने की टक्कर है। अपने आप को किसी से कम नहीं आंक रहे हैं। मतदान 17 नवंबर और मतगणना 3 दिसंबर के बाद जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा यह स्पष्ट होगा।

महिला के गले से चेन स्नेचिंग की कोशिश...

साथी युवती ने बदमाश की कॉलर पकड़ी, धक्का देकर मौके से फरार हो गए दो बदमाश

नीमच, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में एक महिला के गले से बदमाशों ने सोने की चेन छीनने की कोशिश की। महिला और उसके साथ मौजूद युवती ने हिम्मत और सूझबूझ दिखाकर दोनों बदमाशों से लड़कर उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया। पिटाई होने की आशंका में बदमाश मौके से भाग गए। वारदात शहर के निरोगधाम नर्सिंग होम के पास हुई। सूचना पर कैंट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय योजना क्रमांक 34 की निवासी रागिनी राठौर एक युवती के साथ टीवीएस शोरूम से ग्वाल टोली पुलिया की तरफ पैदल जा रही थी। तभी निरोगधाम हॉस्पिटल के पास बाइक सवार दो बदमाश आए। बदमाशों ने महिला के गले से चेन खींचने का प्रयास किया। इस दौरान महिला ने चेन को कसकर पकड़ लिया। वहीं युवती ने एक बदमाश की कॉलर पकड़ ली। ऐसे में बदमाशों ने पिटाई के डर से मौके से भागना ही मुनासिब समझा। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

चुनाव और आचार संहिता के चलते ठप्प पड़े हैं सारे सरकारी कामकाज

दर्द-ए-दिल

कुमार दशपुरी

मंदसौर, 5 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव और चुनाव की आचार संहिता यह ऐसी व्यवस्थाएं हो गई हैं जो सामान्य सरकारी कामकाज को पूरी तरह से ठप्प कर देती है। ना तो चुनाव आयोग यह कहता है और ना ही सरकार का यह फरमान होता है कि चुनाव के चलते सरकारी विभागों के सामान्य कामकाज भी रोक दिए जाए। लेकिन, फिर भी चुनाव की घोषणा होते ही विभिन्न सरकारी विभागों के कारिंदे यह मान बैठते हैं कि अब तो उन्हें जो भी काम करना है वह चुनाव के बाद ही करना है। भले ही उनके सामान्य कामकाज में चुनाव और चुनाव की आचार संहिता कहीं भी आड़े नहीं आ रही हो। फिर भी चुनाव का बहाना करते हुए सरकारी विभागों में अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक हर काम टाल रहे हैं।

अव्वल तो वे अपने कर्तव्य स्थल पर ही नहीं मिलते है और मिलते भी हैं तो चुनाव कार्य की व्यस्तता का बहाना बनाकर आम जनों को सरकारी विभागों में उनके काम से टरका दिया जाता है। यही सब चल रहा है। जिला मुख्यालय के शासकीय विभागों में भी ये ही हालात हैं।यदि हम शिक्षा विभाग की बात करें तो स्कूलों में स्थिति यह है कि विद्यार्थी कक्षा में शिक्षकों का इंतजार करते रहते है। शिक्षक गण या तो चुनाव ट्रेनिंग में या चुनाव के किसी कार्य में लगे रहते हैं, यह बच्चों और अभिभावकों को बताया जाता है। जबकि, ना तो कोई शिक्षकों की रोज चुनाव की ट्रेनिंग होती है और नहीं उन्हें चुनाव के दिन के अलावा किसी अन्य कार्य में भेजा जाता है। फिर भी चुनाव एक बहाना हो गया है और सरकारी स्कूलों में पढ़ाई पूरी तरह से ठप्प है।

उधर नगर पालिका के हालात देखें तो और भी बदतर हैं। वैसे भी सामान्य दिनों में यहां लोगों के काम नहीं होते है और अभी चुनाव में तो बहुत अच्छा बहाना सबको मिल गया है। चुनाव के बहाने नगर पालिका के सारे काम शिथिल पड़े हैं। कुछ भी नहीं किया जा रहा है। विशेषकर जनहित के कार्यों को तो लंबित कर दिया है। हां नगर पालिका चुनाव के दिनों में यह काम जरुर कर रही है की जले में नमक की तरह गड्डेदार सड़कों पर डामर जरूर पोत रही है। ताकि चुनाव में नपा की लाज बच जाए। यही हालत सरकार के लगभग सभी विभागों के हैं।

ओवर ब्रिज का डामरीकरण

संजीत रोड़ ओवर ब्रिज का डामरीकरण कार्य पूर्ण हो गया है। कुछ कार्य और बचा है। जिससे यह माना जा रहा है कि चुनाव से पूर्व ही या चुनाव बाद इस ब्रिज से आवागमन शुरु किया जा सकता है।

विचार-मंथन

केजरीवाल आखिर ईडी से क्यों भागते हैं दूर

प्रवर्तन निदेशालय के फरमान पर अरविंद केजरीवाल के हाजिर न होने को लेकर स्वाभाविक ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार को उन्हें बुलाया था। मगर वहां जाने के बजाय एक पत्र लिख कर उन्होंने पूछा कि उन्हें किस हैसियत से बुलाया गया है। पत्र में न तो उन पर कोई आरोप स्पष्ट है और न यह बताया गया है कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर तलब किया गया है, मुख्यमंत्री के तौर पर या गवाह के रूप में। केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय के फरमान को राजनीति से प्रेरित और गैरकानून करार दे दिया। पूछा जा रहा है कि अब प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ क्या कार्रवाई कर सकता है। दरअसल, जैसे ही प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को नोटिस भेजा, वैसे ही तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। भाजपा के नेता दावे करने लगे थे कि अब केजरीवाल भी गिरफ्तार होंगे। उधर आम आदमी पार्टी के नेता भी ऐसी ही आशंकाएं व्यक्त करने लगे थे। इसे लेकर सदा की तरह आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार पर हमले करती रही। मगर इन सब सियासी पैंतरों और बयानबाजियों के बीच यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने और खुद को कट्टर ईमानदार पार्टी बताने वाली आम आदमी पार्टी के संयोजक ने इस जांच से खुद को दूर रखने का फैसला क्यों किया। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज के तरीके को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस पर सर्वोच्च न्यायालय भी कड़े शब्दों में उसके अधिकार क्षेत्र को रेखांकित कर चुका है। निदेशालय के ज्यादातर छापे और गिरफ्तारियां या पूछताछ की कार्रवाइयां विपक्षी नेताओं के खिलाफ ही हुई हैं, इसलिए भी उसकी मंशा पर सवाल गहरे हुए हैं। मगर इसका मतलब यह नहीं कि खुद को ईमानदार बताने वाले केजरीवाल भी उन्हीं आरोपों की आड़ में पूछताछ से बचने का प्रयास करें। उनसे लोगों की स्वाभाविक उम्मीद थी कि वे प्रवर्तन निदेशालय के सामने अपना पक्ष रखेंगे और बेदाग बाहर निकलेंगे। मगर ऐसा न करके वे कई उलझे सवाल छोड़ गए हैं। कानूनी कार्रवाइयों को कानूनी दांव-पेंच से ही निपटाया जा सकता है, उसमें सियासत ले आना ठीक नहीं कहा जा सकता। यों वे पहले मुख्यमंत्री नहीं हैं, जिन्होंने प्रवर्तन निदेशालय के फरमान की अवहेलना करते हुए पूछताछ में सहयोग न करने का फैसला किया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय पांच बार नोटिस भेज चुका है, मगर वे पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए हैं। हालांकि इस आशंका को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता कि अगर अरविंद केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय जाते, तो उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सकता था। पहले ही उनके दो बड़े नेताओं- उपमुख्यमंत्री रहते मनीष सिसोदिया को और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को इसी मामले में सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। पिछले दिनों जिस तरह कहा गया कि शराब घोटाले में अगर लाभ पूरी पार्टी को मिला है, तो पूरी पार्टी को आरोपी बनाया जाना चाहिए। उससे भी साफ हो गया था कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय आम आदमी पार्टी के किसी भी नेता को पूछताछ के लिए बुला और फिर गिरफ्तार कर सकती है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मतलब है कि पूरी पार्टी और दिल्ली सरकार अशक्त हो जाएगी। मगर केवल ऐसे कयासों के आधार पर किसी को कानून के साथ सहयोग न करने की छूट नहीं मिल जाती।

भू-राजनीतिक तनाव में फंसी भारत की आर्थिकी

अजीत द्विवेदी

यह संयोग है कि छह अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा नीति की दोमासिक बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने और साथ ही देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दर को भी साढ़े छह फीसदी पर स्थिर रखने का फैसला हुआ और उसके अगले दिन यानी सात अक्टूबर को इजराइल और हमास की जंग छिड़ गई। दुनिया पहले ही करीब डेढ़ साल से एक जंग झेल रही है। पिछले साल अप्रैल से यूक्रेन और रूस की जंग चल रही है। आर्मेनिया और अजरबैजान का युद्ध किसी तरह से तुर्की की मध्यस्थता से सुलझा है और मध्य एशिया में शांति बनी है और इस बीच पश्चिम एशिया में नई जंग शुरू हो गई है। अभी तो इजराइल और हमास के बीच जंग चल रही है लेकिन इसका दायरा बढ़ने में समय नहीं लगेगा। लेबनान की ओर से हिजबुल्ला ने हमला शुरू कर दिया है और यमन की ओर से हूती विद्रोही हमले कर रहे हैं। इसके अलावा जिस तरह से सीरिया में स्थित ईरान के ठिकानों पर अमेरिका ने बमबारी की है उससे जंग का दायरा बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। इस भू-राजनीतिक अस्थिरता की वजह से वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। रूस और यूक्रेन की जंग की ही तरह इजराइल और हमास की लड़ाई लंबी चलती है और इसका दायरा बढ़ता है तो इसका असर पूरी दुनिया के साथ साथ भारत पर भी होगा। ध्यान रहे रूस और यूक्रेन की जंग ने भारत को ज्यादा प्रभावित नहीं किया क्योंकि अमेरिका और यूरोप की पाबंदियों के बावजूद भारत की पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस से कच्चा तेल खरीदा और उसे रिफाइन करके दुनिया के बाजार में बेचा। सो, युद्ध की अवधि के दोनों वित्त वर्ष में कच्चे तेल की कीमत में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ और भारत में भी कीमत स्थिर रही। कोरोना के तुरंत बाद शुरू हो गए युद्ध की वजह से अनेक जरूरी चीजों की आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई लेकिन भारत अछूता रहा और अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी ज्यादा प्रभावित नहीं हुई। लेकिन एक दूसरे भौगोलिक क्षेत्र में युद्ध शुरू होने से अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। हालांकि इजराइल और हमास की जंग शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने भारत की जीडीपी की अनुमानित दर में मामूली बढ़ोतरी की और उसे 6.1 से बढ़ा कर 6.3 फीसदी किया। लेकिन आईएमएफ ने भी माना है कि रूस व यूक्रेन युद्ध और बढ़ते भू राजनीतिक तनाव के अलावा कई स्थितियां ऐसी हैं, जिनसे अर्थव्यवस्था पर असर होगा। उसने ऊंचे ब्याज दर की मिसाल दी है। गौरतलब है कि अमेरिका में उच्च ब्याज दर की वजह से बॉन्ड से होनेवाली आय बढ़ गई है, जिससे वैश्विक निवेश प्रभावित हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है कि अमेरिकी बॉन्ड्स से होने वाली आय पांच फीसदी तक पहुंच गई है, जो 16 साल का सबसे ऊंचा स्तर है। दुनिया के दूसरे अनेक देशों में ब्याज दर ऊंची होने से विकास दर पर बड़ा असर पड़ा है। आईएमएफ ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अपनी रफ्तार खो रही है। इसलिए, 2023 के लिए वैश्विक वृद्धि दर अनुमान को घटाकर तीन फीसदी किया गया है। उसने यह भी कहा है कि 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार और धीमी होकर 2.9 फीसदी रह जाएगी। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवियर गौरींचास ने कहा है- कोरोना और यूक्रेन पर रूस के हमले सहित कई झटकों से तीन साल में दुनिया भर के आर्थिक उत्पादन में कोविड पूर्व रुझानों की तुलना में 37 सौ अरब डॉलर की कमी आई है। हालांकि भारत के लिए अच्छी स्थिति यह है कि पश्चिमी देशों और चीन के बीच दूरी बढ़ी है, जिसका लाभ भारत को मिल सकता है। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने भी कहा है कि इजराइल और हमास की जंग का बड़ा आर्थिक असर होगा। बहरहाल, रिजर्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने इजराइल और हमास की जंग लंबा चलने या इसका दायरा बढ़ने के बाद की स्थितियों को विकास दर के आकलन में शामिल नहीं किया है। अगर जंग तेज होती है या इसका दायरा बढ़ता है तो कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी और उसकी कीमतों में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों और फर्टिलाइजर की आपूर्ति व कीमत दोनों प्रभावित होंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी आशंका जता चुकी हैं कि खाद्यान्न, कच्चा तेल और फर्टिलाइजर महंगे हो सकते हैं। ध्यान रहे भारत में अगले साल लोकसभा का चुनाव होना है इसलिए केंद्र सरकार के सामने महंगाई को काबू में रखने की चुनौती है। अगर विश्व बाजार प्रभावित होता है और जरूरी चीजों की आपूर्ति प्रभावित होती है तब भी राजनीतिक कारणों से भारत को महंगाई दर नहीं बढ़ने दी जाएगी। रिजर्व बैंक पर दबाव होगा कि वह ब्याज दरों में कमी न करे। अगर ब्याज दर नहीं घटाए जाते हैं तो विकास दर ठहरी रहेगी। सो, अगर युद्ध की वजह से आपूर्ति शृंखला प्रभावित होने और कीमत बढ़ने का बोझ सरकार जनता के ऊपर नहीं डालती है तब भी भारतीय अर्थव्यवस्था के बड़े पैरामीटर यानी मैक्रो इकोनॉमिक्स प्रभावित होगी। मॉनसून और अल नीनो का असर अलग परेशान करने वाला होगा। भारत में मामूली ही सही लेकिन खराब मॉनसून की वजह से चावल का उत्पादन प्रभावित होगा। चुनावी साल में महंगाई को काबू में रखने के लिए भारत सरकार को लगातार कभी चावल तो कभी चीनी तो कभी प्याज और टमाटर का आयात-निर्यात नियंत्रित करना पड़ रहा है। भारत सरकार की उम्मीदें इस बात पर टिकी हैं कि वित्त वर्ष 2022-23 की आखिरी दो तिमाही के मुकाबले चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 की पहली दो तिमाही में कच्चे तेल की कीमत अपेक्षाकृत कम रही है इसलिए अगर पिछले वित्त वर्ष के उच्च स्तर यानी 109 डॉलर तक भी कीमत जाती है तो उसका असर भारत झेल सकता है। दूसरी उम्मीद यह है कि त्योहारी सीजन में कार, बाइक से लेकर तमाम तरह के उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, जिससे तीसरी और चौथी तिमाही की विकास दर ऊंची रहेगी। अक्टूबर के जीएसटी के आंकड़ों से सरकार की उम्मीदें पूरी होती दिख रही हैं। अक्टूबर में सरकार ने 1.72 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इकट्ठा किया।

भौतिकवाद के कारण तेजी से बदल रहे हैं जीवन के रंग

प्रदीप उपाध्याय

प्रकृति हमें बहुत कुछ सिखाती है। या यों कहें कि प्रकृति से हम बहुत कुछ सीखते हैं। मौसम कहां सदैव एक-सा रहता है। मौसम का परिवर्तन चक्र वर्षा ऋतु से लेकर शीत ऋतु और ग्रीष्म ऋतु तक चलता रहता है और यही क्रम दोहराता जाता है। प्रकृति का परिवर्तन चक्र निरंतर है, नियमित है। इनमें कहीं कोई ठहराव नहीं आता। प्रकृति कहीं श्वेत-श्याम बनकर नहीं दिखाई देती। उसमें सदैव सतवर्णी इंद्रधनुषी रंगों से साक्षात्कार होता रहता है। यह बात अवश्य है कि हम अपने निराशापूर्ण जीवन को उससे जोड़ते हुए हर समय उसमें भी श्वेत-श्याम रंग ही देखते रहते हैं। कहीं अल्प वर्षा से असंतोष तो कहीं अतिवृष्टि से जीवन त्राहिमाम, कहीं शीत ऋतु का जीवन में उत्साह और उमंग रूपी रस तो कहीं शीत के प्रकोप से जीवन मुश्किल, कहीं उष्णता की चाह तो कहीं भीषण उष्णता से हाहाकार करता जीवन, लेकिन प्रकृति अपने क्रम में निरंतर है, चलायमान है। देश-काल, परिस्थितियों के वशीभूत रहकर ही हम अपनी धारणा कायम करते हैं और जीवन के रंगों को चुनते हैं। वजन ढोते एक मजदूर या खेत जोत रहे एक किसान के लिए सिर पर चढ़ता सूरज त्रासद अनुभूत नहीं होता, जबकि वातानुकूलित वातावरण से सड़क पर उतरे एक कुलीन व्यक्ति के लिए सूरज की उष्णता परेशान करने वाली होती है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम जीवन को किस रूप में स्वीकार करते हैं या परिस्थितियों से किस तरह तादात्म्य स्थापित करते हैं। जीवन का हर रूप-रंग एक-सा नहीं होता और न ही हरेक परिस्थिति एक जैसी होती है। जीवन भी मौसम चक्र की तरह ही परिवर्तनशील है। परिवर्तन का नाम ही जीवन है। दुख है तो सुख भी है। निराशा है तो आशा भी है। जहां जीवन रंगहीन दिखाई देने लगे, वहां हमें निराशा के बादलों में नहीं घिर जाना चाहिए। ऐसे में जीवन में अंधेरे की आहट आने में देर नहीं लगेगी। जीवन बेनूर और बदरंग हो जाएगा। हमें जीवन को बेरंग नहीं समझना चाहिए और न ही बेरंग बनाना चाहिए। भौतिकवाद और अत्यधिक महत्वाकांक्षा के कारण भी जीवन के रंग बहुत जल्द बदलते महसूस होने लगते हैं। इन्हीं का परिणाम है कि पिछले कुछ समय से लोगों के बीच आत्महत्या की प्रवृत्ति अत्यधिक बढ़ी है। छोटी-छोटी बात पर व्यक्ति आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लेता है। आत्महत्या अपने साथ तो नाइंसाफी है ही, अपने परिजनों के प्रति भी बहुत अन्यायपूर्ण कदम है। कई बातें प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई दे जाती हैं तो कई अनुभूत की जाती हैं। यह बात आत्महत्या कर लेने वाला शख्स शायद नहीं समझ पाता! पिछले कुछ समय से कोटा में कोचिंग में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं दिल को दहला रही हैं। साथ ही एक टीस-सी भी उत्पन्न कर रही है कि क्या कारण है कि जीवन उनके लिए बेरंग हो रहा है और वे आत्महत्या जैसे कठोर कदम उठाने को विवश हो रहे हैं! पति-पत्नी संबंध हो या प्रेम संबंध, कर्ज की अवस्था हो या गंभीर बीमारी की, कई लोग हताशा-निराशा की अवस्था में जीवन से मोह ही समाप्त कर बैठते हैं। जीवन उन्हें अंधकारमय दिखाई देने लगता है।वे इस बात पर विचार नहीं कर पाते कि अंधकार के बाद ही प्रकाश आता है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। अगर जीवन में सभी कुछ एक-सा रहने लगे तब भी नीरसता का बोध होने लगता है। व्यक्ति में हिम्मत और साहस का भाव तभी आएगा, जब कठिनाइयों, परेशानियों, संकटों से संघर्ष करने की स्थिति निर्मित होगी। हम कल्पना कर सकते हैं कि जहां केवल सुख ही सुख मिलता तो क्या हम चादर तान कर नहीं सोए पड़े रहते कल की चिंता क्यों करते अपने अच्छे कल के लिए कोई प्रयास क्यों करते और इसी तरह यदि जीवन में निरंतर दुखों का ही अंबार होता, तब क्या होता! लेकिन ऐसा नहीं है। जीवन में सुख-दुख चलते रहते हैं। इनमें भी कहीं ठहराव नहीं है। इसीलिए हमें जीवन में इन सुख-दुख के पलों में समभाव ही रहना चाहिए।

इजरायल का अकेले पड़ना किसी सजा से कम नहीं

गाजा में भले ही मलबे का ढेर लग जाता हो, पर वहां रहने वाले लोग किसी न किसी तरह से अपने मरहूम परिजनों के लिए हमेशा सफेद कफन खोज ही लेते हैं। वहां पर छोटे-छोटे बच्चे जान गंवा रहे हैं, उनके माता-पिता और बुजुर्गों की भी जान जा रही है। फलस्तीनियों का दर्द गहराई से महसूस करने के लिए हमें बस एक दिमाग और दिल की जरूरत है, पर इजरायल के अकेलेपन को महसूस करने के लिए थोड़ी हिम्मत की जरूरत है। एक अंग्रेजी फिल्म है अवतार, जिसमें पश्चिम एशियाई समस्या का भी अंश है। मनुष्य किसी अन्य ग्रह पर किसी स्थानीय जनजातीय प्रजाति को गुलाम बनाने के लिए अपनी बेहतर तकनीक का उपयोग करता है। ये खुद को श्रेष्ठ मानने वाले ऐसे मनुष्य हैं, जिन्हें जीवित रहने के लिए किसी अन्य दुनिया में उपनिवेश बनाने की जरूरत है, क्योंकि पृथ्वी समाप्त हो चुकी है। ऐसे मनुष्यों को उत्पीड़क होने या विलुप्त हो जाने के बीच ही चुनना पड़ेगा। हालांकि, यह मूल निवासियों को नुकसान पहुंचाने का नैतिक आधार नहीं है। किसी भी मामले में कौन सा समझदार व्यक्ति स्थानीय जनजातीय लोगों के खिलाफ हमले के प्रति सहानुभूति रखेगा? ठीक यही बात इजरायल के साथ है, वह अकेला नजर आ रहा है। इजरायल का यह अकेलापन ताकतवर लोगों या उन लोगों का अकेलापन है, जो फिलहाल लड़ाई जीत गए हैं। यह एक आधुनिक अकेलापन भी है। सदियों से ताकतवर ने कमजोरों को खत्म ही किया है। ताकतवर का मकसद बदकिस्मत या कमजोर लोगों की देखभाल करना होना चाहिए, उन्हें खत्म करना नहीं। फिर भी इजरायल का मानना है कि उसके पास केवल दो ही विकल्प हैं, उत्पीड़क बनो या दुनिया के नक्शे से मिट जाओ। 19वीं सदी के आखिर में इजरायल के बारे में ब्रिटिश यहूदी अभिजात्य वर्ग ने सोचा था। यहूदी हर जगह सताए गए थे। उनकी अपनी पवित्र भूमि पर अरबों ने कब्जा कर लिया था, उस भूमि को फिर से पाने का प्रस्ताव आज हास्यास्पद लगता है, लेकिन जिस युग में इजरायल के बारे में सोचा गया, वह अभिजात वर्ग व श्वेत इंसानों का स्वर्ण युग था। तब यूरोपीय लोग खुद को अन्य लोगों से अलग और श्रेष्ठ मानते थे। एक यहूदी लेखक अरी शावित ने अपनी पुस्तक माई प्रॉमिस्ड लैंड में अपने पूर्वजों की दृष्टि पर आश्चर्य व्यक्त किया है। शावित के परदादा हर्बर्ट बेंटविच इजरायल के संस्थापकों में से एक थे। साल 1897 में फलस्तीन में पांच लाख से अधिक अरबों से उनकी भूमि ले ली गई। तब अरब इतने गरीब थे कि किसी विक्टोरियन श्रेष्ठ इंसान का उन पर ध्यान ही नहीं गया। यहूदियों ने स्थानीय लोगों या फलस्तीनियों को अपने तंबू समेटने और चले जाने को प्रेरित किया या फिर उन्हें अधिक बर्बर तरीकों से गायब कर दिया। शुरुआत में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बावजूद अरब और यहूदी साथ-साथ रहते थे। समय के साथ हिंसा बढ़ती गई। यहूदी अभिजात वर्ग को यह एहसास हुआ कि उन्हें अपने ऐसे देश की जरूरत है, जहां कोई अरब न हो। वैसे, अरब देशों ने इजरायल के अस्तित्व को मान्यता नहीं दी थी। 14 मई, 1948 को इजरायल के गठन के एक दिन बाद ही मिस्र, जॉर्डन, इराक, सीरिया और लेबनान की सेनाओं ने आक्रमण कर दिया, पर इजराइल की जीत हुई। आज बात सिर्फ इजरायल की नहीं है, हर ताकतवर की है। दुनिया ताकतवर को बर्दाश्त नहीं कर सकती। दुनिया चाहती है कि आप घुटने टेकें, रेंगें और रोएं, पर इजरायल इसमें बुरा है। शुरुआती वर्षों में ही उसने यहूदियों से नरसंहार पर चुप रहने और रोना बंद करने के लिए कह दिया था। इजरायल ताकत और उम्मीद पर बना है। दरअसल, इजरायल को डर है कि उसे किसी भी दिन खत्म किया जा सकता है। एक मजबूत और समृद्ध फलस्तीन उसके लिए बहुत खतरनाक है। इजरायल को एक बफर जोन की जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5046

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5045

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5046

संकेत: बाएं से दाएं

1. नवंबर 1860 को अब्राहम लिंकन इस देश के सोलहवें राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. औलाद, कुलधर, वंशधर (3)
6. मध्यप्रदेश के इस अंचल में बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक स्थित है (3)
7. बजाने वाला, कृपा करने वाला (3)
8. यह मुगलसम्राट अकबर के बेटे थे जिनका जन्म 31 अगस्त 1569 को हुआ था (4)
10. काला, असित, कजरारा, श्यामल (2)
12. अनेकता, विविध, बहुरूप (4)
14. मगध देश या दक्षिण बिहार का प्राचीन वैदिक नाम, पीढ़ा (3)
17. कच्चे आम या इमली से बनाया गया खट्टा-मीठा पदार्थ (2)
18. मधुर, स्वर्ण (3)
19. राजा, सम्राट, बादशाह (3)
20. स्वरूप, व्यक्तित्व, घटित (2)
21. गहन चिंतन करने का भाव (3)
22. प्रतिष्ठा, इज्जत, आबरू (2)
23. अवाम, पब्लिक, जनसमुदाय (3)

ऊपर से नीचे

1. कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि (4)
2. सद्गुण, मिलन, सामंजस्य, एकता (2)
3. रस्म, रीति, प्रथा (3)
4. श्रृंगार कर्म करना, संवारना (4)
5. शिरोमणि, मुकुट, शिखा (2)
7. नग, मणि, रत्न (3)
9. स्वजन भावना, अपनत्वपूर्णता (5)
11. वास्तव में, सचमुच, सचमुच (5)
13. असुंदर, अनाकर्षक, सौंदर्यहीन (4)
15. कण का अग्रभाग (2)
16. लगातार देखने की क्रिया, टकटकी (2)
19. माता का वह लाड़-प्यार जो उसकी संतान पर होता है (3)
20. एक प्रकार का परिधान, अंगरखा, चस्त्र, वेश (2)

वर्ग पहेली 5045 का हल

एनडीटीवी, सीएसडीएस लोकनीति सर्वे में 61% मतदाता मध्यप्रदेश सरकार से संतुष्ट

राष्ट्रीय चैनल के सर्वे ने एक बार फिर मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के दिए संकेत

भोपाल, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। पिछले 24 घंटे के अंतराल में इंडिया टीवी के सर्वे के पश्चात एक बार फिर से एक और राष्ट्रीय चैनल एनडीटीवी द्वारा कराए गए सर्वे के अनुसार मध्य प्रदेश में फिर भाजपा की सरकार बनने के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। सर्वे की रिपोर्ट में सबसे अधिक आश्चर्यजनक बात जो सामने आई है उसके अनुसार मध्य प्रदेश की कुल 61% जनता प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से संतुष्ट बताई गई है जबकि 16 प्रतिशत जनता असंतुष्ट मतदाता के रूप में है। वहीं पूरी तरह से असंतुष्ट 18 फीसदी जनता शिवराज सरकार के पूरी तरह विरुद्ध है। इस सर्वे के अनुसार मध्य प्रदेश में लोकप्रियता का आंकड़ा एवं सीएसडीएस लोकनीति के समस्त सर्वे के पहलू स्पष्ट संकेत देते हैं कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

प्रदेश में केंद्र सरकार के कामकाज से 65% मतदाता खुश– उपरोक्त सर्वे में सबसे अधिक आश्चर्यजनक तथ्य जो उभर कर सामने आया है उसके अनुसार मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के विषय में जब चर्चा की गई तो उसमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न केंद्र सरकार की लोकप्रियता एवं कामकाज के संबंध में किया गया था। मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार है, केंद्र में भी बीजेपी गठबंधन की सरकार सत्ता में हैं। मोदी सरकार ने उज्जवला योजना, जनधन योजना और आवास योजना सहित कई ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिसका लाभ करोड़ों लोगों को मिल रहा है। मध्य प्रदेश की 65 प्रतिशत जनता मोदी सरकार के काम से संतुष्ट नजर आती है। वहीं, सिर्फ 16% कुछ हद तक असंतुष्ट और 13% असंतुष्ट नजर आई। यानी ज्यादातर लोग मोदी सरकार के काम से संतुष्ट हैं। 65% जनता मोदी सरकार के कामकाज से संतुष्टनजर आने की स्थितियां भी स्पष्ट करती है कि मध्य प्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनाव के पश्चात भारतीय जनता पार्टी की सरकार स्पष्टरूप से आई हुई दिखाई दे रही है।

लोकप्रियता के मामले में शिवराज कमलनाथ से लगातार आगे– मध्य प्रदेश में 15 वर्षों से अधिक समय से मुख्यमंत्री के रूप में अनवरत रूप से शिवराज सिंह चौहान की सरकार के विषय में जिस तरह से संतुष्टि की संख्या 60% से अधिक वहीं दूसरी ओर अगर लोकप्रियता की बात करें तो आज भी प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अर्थात कांग्रेस पार्टी के नेता कमलनाथ से लगातार आज भी लोकप्रिय बने हुए हैं। सरकार के कामकाज के दौरान 36% मध्य प्रदेश की जनता एवं अन्य 16% जनता कुल मिलाकर आज भी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपेक्षाकृत रूप से लोकप्रिय चेहरा मानती है।

मध्य प्रदेश में पिछले 5 सालों में कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियों ने अलग-अलग समय में सत्ता संभाली। 2018-2020 में कमलनाथ सरकार थी, तो 2020-23 से शिवराज सरकार सत्ता में है। मध्य प्रदेश की जनता किस पार्टी के काम से ज्यादा संतुष्ट है- बीजेपी या कांग्रेस के ओपिनियन पोल के मुताबिक, कमलनाथ सरकार के काम से जहां 34% लोग संतुष्ट थे, वहां शिवराज सरकार के काम से 36% लोग संतुष्ट हैं। मध्य प्रदेश में 13 प्रतिशत लोग ऐसे भी हैं, जो दोनों पार्टियों की सरकार से संतुष्ट हैं। वहीं, 11 फीसदी लोग दोनों ही पार्टियों के कामों से असंतुष्ट हैं। 36% लोगों की संतुष्टि के साथ-साथ 13% ऐसे लोग भी हैं जो दोनों ही पार्टियों से संतुष्ट होने के कारण उपरोक्त 36% बढ़कर लगभग 50% पर पहुंच जाता है। उपरोक्त आंकड़े एवं लोकप्रियता के मामले में स्पष्ट होता है कि मध्य प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

मतदान दिवस से 72 घंटे, 48 घंटे एवं 24 घंटे पूर्व की जाने वाली...

कार्यवाही के संबंध में निर्वाचन आयोग के निर्देश जारी

नीमच, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान दिवस से 72 घंटे, 48 घंटे एवं 24 घंटे पूर्व की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशानुसार क्षेत्र में संचालित कम्युनिटी हॉल, मांगलिक भवन, मैरिज गार्डन, धर्मशाला आदि स्थलों पर दिनांक 15 नवंबर से 17 नवंबर 2023 (मतदान समाप्ति) तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी तत्काल प्राप्त कर ऐसे आयोजनों पर कानून एवं व्यवस्था तथा निर्वाचन आदर्श आचार संहिता के तहत् सतत निगरानी रखी जाये। यह पता लगाया जावे कि बाहरी लोगों को इन परिसरों में स्थान तो नहीं दिया गया है। लॉज और अतिथि गृहों में रहने वालों की सूची पर भी नजर रखी जाकर उनका सत्यापन किया जाये।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने बताया, कि निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं में स्थापित जांच चौकियों और निर्वाचन क्षेत्र के बाहर के वाहनों की आवाजाही पर सतत् नजर रखी जायें तथा उड़न दस्ता और स्थाई निगरानी दल द्वारा सतत् निगरानी की जाये। व्यक्ति, व्यक्तियो के समूह की पहचान का सत्यापन यह पता करने के लिये कि ये निर्वाचक है अथवा नहीं उनकी पहचान स्थापित करें।यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई अवांछित तत्व कुटिल गतिविधियों जैसे कि, राजनैतिक लाभ हासिल करने के लिये मतदाताओं को अनावश्यक रूप से प्रेरित करने और प्रभावित करने के लिये नगद, उपहार, शराब आदि का अवैध वितरण आदि में संलग्न तो नही है।निर्वाचन क्षेत्र में बाहर से लाये गये राजनैतिक, पार्टी, जुलूस, अभियान कार्यकर्ताओं की पहचान कर, उन्हें तुरंत उक्त अवधि से पूर्व क्षेत्र से बाहर किया जावे। अननुज्ञप्त परिसर में शराब के भण्डारण, अवैध शराब बनाने वाले पर सतत् निगरानी रखी जाये और विशेष अभियान प्रारंभ कर अवैध शराब भण्डारण, निर्माण, विक्रय करने वालों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की जाये। 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी ध्वनि विस्तारक के उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जायेयह भी सुनिश्चित किया जाए कि उक्त अवधि में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में किसी भी राजनैतिक दल, अभ्यर्थी द्वारा आदर्श आचार संहिता तथा दण्ड संहिता की धारा 144 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन न हो।

प्रेक्षक जावले ने मनासा में कन्ट्रोल रूम एवं सिंगल विन्डो का किया निरीक्षण

नीमच, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के जनरल आब्जर्वर श्री किशन नारायरण राव जावले ने रविवार को मनासा अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत स्थापित उपखण्ड स्तरीय कन्ट्रोल रूम और सिंगल विन्डो का निरीक्षण किया और कन्ट्रोल रूम में संधारित पंजी का अवलोकन किया। उन्होने सिंगल विन्डो पर तैनात कर्मचारियों से चर्चा कर, अनुमतियां जारी करने की प्रक्रिया आदि के बारे में जानकारी ली। प्रेक्षक श्री जावले ने मनासा में मतदान दलों को मतदान के लिए वितरित की जाने वाली सामग्री का भी अवलोकन किया। उन्होने मनासा में पोस्टल बेलेट फैसिलिटेशन सेन्टर एवं पोस्टल बेलेट स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस मौकेपर जिला आबकारी अधिकारी श्री आर.एनव्यास, एसडीएम श्री पवन बारिया, तहसीलदार श्री बी.के मकवाना उपस्थित थे।

सैलाना: जनता के आशीर्वाद से संगीता ने उठाई सैलाना के विकास की सौगंध

सैलाना, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। रतलाम जिले की खूबसूरत विधानसभा कहलाने वाली सैलाना सीट पर भाजपा की उम्मीदवार संगीता चारेल मौजूद हैं। उन्होंने इस विधानसभा के संपूर्ण विकास और लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने का वचन दिया है। सतत मुलाकात और जनसंपर्क के दौरान संगीता लोगों के बीच पहुंच रही हैं। भाजपा उम्मीदवार संगीता चारेल ने ग्राम पंचायत बेड़दा, चन्देरा, ग्राम पंचायत बल्लिखेड़ा, ग्राम पंचायत साकड, ग्राम पंचायत पाटडी, ग्राम पंचायत अल्काखेड़ा, ग्राम पंचायत गुडभेली, ग्राम पंचायत भाटखेड़ी, करिया, ग्राम पंचायत पुनियाखेड़ी, ग्राम पंचायत बंजला में जनसंपर्क कर लोगों भाजपा को जिताने की अपील की। उन्होंने अम्बे चौक बाजना पर हाट बाज़ार में नुक्कड सभा को भी संबोधित किया।

ऐसा है सैलाना का इतिहास–प्रभु दयाल गहलोत 1967 में यहां से विधायक बने। इस परिवार ने 7 बार इस विधानसभा पर प्रतिनिधित्व किया है। इस विधानसभा में अब तक 1962 से 2018 तक तेरह बार चुनाव हो चुके हैं जिसमें एक बार सोशलिस्ट पार्टी और 8 बार कांग्रेस और तीन बार बीजेपी ने जीत हासिल की हैं। इसके साथ ही 1998 में प्रभु दयाल गहलोत ने निर्दलीय चुनाव लड़ कर यहां पर जीत का परचम लहराया था। इस विधानसभा के इतिहास की अगर बात की जाए तो इस विधानसभा 1951 में तत्कालीन मध्यभारत राज्य के 79 विधानसभा क्षेत्रों में से एक के रूप में अस्तित्व में आया था। 1956 में इसे विलोपित कर दिया गया था लेकिन 1961 में फिर यह अस्तित्व में आ गया। इस विधानसभा क्षेत्र में आदिवासी लोग निवास करते हैं।

मतदान कक्ष में सीसीटीवी कैमरे ना लगाए-कलेक्टर

मतदान दलों के अधिकारी एवं कर्मचारियों का द्वितीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिपेक्ष्य में मतदान अधिकारियों एवं कर्मचारियों का द्वितीय प्रशिक्षण कुशाभाउ ठाकरे आटिडोरियम में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने कहा की मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में व्यवस्था को देख लें। मतदान केंद्र पर मतदान अधिकारी रेलिंग एवं व्हीलचेयर को अक्ष्छे से देख ले ताकि 80 प्लस मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता को किसी भी प्रकार परेशानी ना आए। मतदान बूथ पर मतदान कक्ष का चयन करते समय सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। मतदान कक्ष में किसी भी तरह के कैमरे नहीं होने चाहिये, खिडकीयां पूरी तरह से खुल एवं बंद हो रही हो ताकि मतदान के समय परेशानी का सामना ना हो। मतदान कक्ष के अंदर एवं बाहर लाईट चेक कर लें। प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में आए सभी कर्मचारी डाक मतपत्र एवं फार्म 12 (क) अनिवार्य से भरें। प्रशिक्षण में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान मतदान दलो के लिए नवीन अनुदेश बताये गये। इस अवसर पर मंदसौर विधानसभा के लिये नियुक्त मतदान अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर्स डॉ. जे.के. जैन द्वारा दिया।

द्वितीय प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को संपूर्ण मतदान प्रक्रिया, पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों के दायित्व सामग्री, विभिन्न प्रपत्र तैयार करना, Mack Poll एवं डाक मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया व अनुपस्थित मतदाता (AVSC, AVPD, AVES) के मतदान की प्रक्रिया का गहन प्रशिक्षण दिया गया। मतदान अधिकारीगण आयोग द्वारा निर्धारित प्रपत्र में व्यवस्थित रूप से जानकारी भरते समय सावधानियों का विशेष ध्यान रखें। निर्वाचन के दौरान किये जाने वाले कार्यो के संबंध में दिशा-निर्देशों का पालन करें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा एतच एवं ततझअढ पर विस्तृत प्रशिक्षण जानकारी एवं, मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दल के अधिकारियों को ईवीएम मशीन की प्रक्रिया एवं संचालन के संबंध में बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी एवं अन्य मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण देते हुए सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया व ईवीएम, वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाई। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी से EVM का प्रशिक्षण देकर परीक्षा भी ली एवं जिज्ञासाओं का किया समाधान भी किया। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी एवं अन्य मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण देते हुए सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया व ईवीएम, वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाई। जिसमें मतदान के लिए वैकल्पिक दस्तावेज, मतदाताओं के लिये मतदाता सूचना पर्ची, मतदान दलो के लिए ग्रीन पेपर सील, प्रशिक्षण में बताए बिंदु प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को दी जाने वाली सामग्री जैसे इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, वीवीपैट मशीन के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान डाक मतपत्र तथा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट की उपयोग की प्रक्रिया भी समझाई गई।

नालियों की साफ-सफाई की

लूनाहेड़ा, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत लूनाहेड़ा द्वारा मेन बाजार सहित अन्य वार्डों में नालियों की साफ-सफाई की गई। सरपंच ईश्वरलाल धनगर की उपस्थिति में सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही सरपंच ईश्वरलाल धनगर ने भी सफाई अभियान में सहभागिता की।

भारत स्काउट गाइड दल ने खजुरी पंथ में निकाली मतदाता जागरूकता रैली

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। समीपस्थ ग्राम खजूरी पंथ में माह नवंबर मे होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश अनुसार शासकीय हाई स्कूल खजूरी पंथ अंतर्गत भारत स्काउट गाइड दल ने मतदाता जागरुकता रैली का आयोजन किया, यह मतदाता जागरूकता रैली ग्राम के मुख्य-मुख्य चौराहा पर ग्राम का भ्रमण कर सभी को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की। रैली में शामिल छात्र-छात्राओं ने हाथों में मतदान हेतु प्रेरित करने वाली स्लोगन- चाहे न हो या नारी-मतदान है सबकी जिम्मेदारी। न जाती पे न धर्म पे- बटन दबेगा कर्म पे। बहकावे में कभी ना आना- सोच समझ कर बटन दबाना।।

लोकतंत्र में हिस्सेदारी - हम सब की है जिम्मेदारी। घर घर संदेश दो-वोट दो वोट दो,वाली तख्तियां ले रखी थी, सभी ने मतदान के नारे लगाए ग्राम के मुख्य चौराहे पर भारत स्काउट गाइड दल के छात्रों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित नुक्कड़ नाटक जिसमे गाइड दल की ओर से रवीना पिता मांगीलाल,इशिका पिता रमेशचंद, आस्था पिता रामकिशन,गौरी पिता प्रहलाद, अंतिमबाला पिता ईश्वरलाल, खुशबू पिता हरिशंकर,पवित्रा पिता कन्हैयालाल द्वारा मंचन किया गया। स्काउट दल की ओर से,ट्रूप लीडर अमन पिता दुर्गेश योगी अक्षय पिता रामनिवास, भूपेंद्र पिता अर्जुन कारपेंटर, विशाल पिता तूफान, कन्हैयालाल पिता रामगोपाल मेघवाल का विशेष सहयोग रहों संस्था की ओर से रैली में बीएलओ धर्मेंद्र सिंह परिहार,श्यामसुंदर मैहर,किशोर डारिया, आशिक मंसूरी, निशा सोनी,नेहा शर्मा रैली कार्यक्रम का संचालन संस्था के वरिष्ठ शिक्षक स्काउटर जी.एल.भावसार ने किया,तथा मतदाता जागरूकता शपथ प्रभारी प्राचार्य प्रकाशचन्द शर्मा ने दिलाई और अंत में राष्ट्रगान के साथ रैली का समापन किया गया। उक्त जानकारी भारत स्काउट गाइड जिला मीडिया प्रभारी उमर शेख ने दी।

प्रत्याशी ने यदि स्टार प्रचारक के साथ यात्रा की तो आधा खर्च निर्वाचन व्यय में जुड़ेगा

नीमच, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन के दौरान उम्मीदवारों को चुनाव खर्च के मामले में बेहद सतर्क रहना होगा। निर्वाचन व्यय पर आयोग और विभिन्न टीमों की लगातार निगरानी रहेगी। उम्मीदवारों की चुनाव प्रचार संबंधी हर गतिविधियाँ वीडियोग्राफी के जरिए कैमरे में दर्ज होगी। इसी कड़ी में चुनाव के दौरान राजनैतिक दलों के स्टार प्रचारकों का दौरा, रैली, सभाओं पर भी विशेष निगाह रखी जायेगी। यदि उम्मीदवार स्टार प्रचारक के साथ यात्रा करता है तो पचास प्रतिशत यात्रा खर्च प्रत्याशी के चुनाव खर्च में जोड़ा जायेगा। यदि उम्मीदवार स्टार प्रचारक के साथ पंडाल सभा करता है और सभा में अपने नाम के साथ उसका फोटो या पोस्टर प्रदर्शित करते हैं तो सभा का खर्च भी प्रत्याशी के खाते में जोड़ा जायेगा। स्टार प्रचारक के साथ यात्रा खर्च में उन्हीं को छूट मिलेगी, जो परिचारक, सुरक्षा एवं चिकित्सा कर्मी, प्रिंट या इलेक्ट्रानिक मीडिया का कोई प्रतिनिधि, कोई व्यक्ति या दल का सदस्य जो चुनाव क्षेत्र का प्रत्याशी तथा प्रत्याशी के चुनाव अभियान में सम्मिलित नहीं है।

अभ्यर्थी की अनुमति के बिना प्रचार-प्रसार नहीं किया जा सकेगा

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 में आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा निर्वाचन व्यय पर नियंत्रण हेतु विभिन्न स्तर पर कार्यवाहियां जारी है। कोई भी व्यक्ति, संस्था द्वारा किसी अभ्यर्थी की बगैर अनुमति के उसके संबंध में प्रचार-प्रसार नहीं कर सकता है। प्रिंट मीडिया में विज्ञापन (विज्ञापन हेतु अभ्यर्थी की अनुमति है तो निर्वाचन व्यय में जोड़ा जाएगा यदि सहमति नहीं है तो 171 क(आईपीसी) के तहत प्रकाशक के विरुद्ध अभियोजन किया जा सकता है) भारतीय दंड संहिता की धारा 171 कके अनुसार चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी की अनुमति के बिना विज्ञापनो पर किया जाने वाले व्यय निषेध है।

सरकार ने तकनीकी प्रशिक्षण देकर स्वर्णकार समाज के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कार्ययोजना तैयार की-सोनी

स्वर्णकला बोर्ड के सदस्य अजय सोनी ने गरोठ एवं शामगढ़ में स्वर्णकार बंधुओं के साथ मीटिंग आयोजित की

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। भाजपा प्रदेश निर्देशानुसार भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री कृष्णमोहन सोनी एवं स्वर्णकला बोर्ड के अध्यक्ष श्री दुर्गेश सोनी के निर्देशानुसार भाजपा के परचम को लहराने की कोशिश में स्वर्णकला बोर्ड के सदस्य राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त श्री अजय सोनी ने गरोठ में भाजपा प्रत्याशी श्री चंदरसिंह सिसौदिया एवं शामगढ में प्रदेश के मंत्री श्री हरदीपसिंह डंग के समर्थन में स्वर्णकार बंधुओं के साथ मीटिंग आयोजित की। उनके साथ प्रदीप सोनी चक भी साथ थे।

इस दौरान बोर्ड सदस्य अजय सोनी ने कहा कि मध्यप्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री द्वारा स्वर्णकला समाज के आराध्य भगवान श्री अजमीढ़देव की भव्य विशाल प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा भोपाल मेंकरवाई गई। सोनी समाज के नौजवान बेटे बेटियों को 8 हजार रू. हर महिने स्टाइपेंड देकर स्वर्णकारी व्यवसाय को तकनीकी प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। शीघ्र ही इस योजना का लाभ समाज के बच्चों को प्राप्त होगा। स्वर्णकला समाज की व्यापारियों को आत्मरक्षा की दृष्टिसे शस्त्र लाइसेंस समय सीमा एवं प्राथमिकता से जारी किये जाने की कार्ययोजना बनाई है। शिवराज के सरकार में प्रदेश के हर वर्ग के उत्थान करने का कार्य किया है। आपने स्वर्ण बंधुओं से आगामी चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान गरोठ से सत्यनारायण सोनी, नीति सोनी, सतीश सोनी, दिनेश सोनी, ओमप्रकाश सोनी, गणेश सोनी, हरिओम सोनी, विमल सोनी, संजय सोनी, किशोर सोनी आदि उपस्थित थे। संचालन सत्यनारायण सोनी ने किया। शामगढ में शोध संस्थान के अध्यक्ष देवीलाल सानी, युव अध्यक्ष हितेश सोनी, पंकज सोनी, गौरव सोनी, कन्हैयालाल सोनी, राधेश्याम सोनी, मुकेश सोनी, ललित सोनी, प्रदीप सोनी, कमलेश सोनी, अमित सोनी, गिरीश सोनी, मोहित सोनी, लखन सोनी, मनीष सोनी, प्रतीक सोनी, विजय सोनी, भूपेन्द्र सोनी आदि बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। संचालन युवा अध्यक्ष हितेश सोनी ने किया व आभार गौरव सोनी ने माना।

20 साल बाद भारत की वर्ल्डकप में लगातार आठवीं जीत:साउथ अफ्रीका की सबसे बड़ी हार

कोलकाता, 5 नवम्बर। भारत ने एकतरफा मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 243 रन से हराकर वनडे वर्ल्ड कप में लगातार आठवीं जीत दर्ज कर ली है। इसके साथ ही भारत ने पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पोजिशन पर फिनिश भी तय कर लिया। यानी सेमीफाइनल में भारत का सामना चौथे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा।

भारत ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। विराट कोहली के रिकॉर्ड 49वें शतक की बदौलत टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 326 रन बनाए। कोहली ने नाबाद 101 रन बनाए और सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतकों के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। श्रेयस अय्यर ने 77 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 27.1 ओवर में 83 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। मोहम्मद शमी को 2 और कुलदीप यादव को 2 विकेट मिले। एक सफलता मोहम्मद सिराज के हाथ भी लगी। भारत ने 20 साल बाद किसी वर्ल्ड कप में लगातार आठ मैच जीते हैं। इससे पहले टीम इंडिया ने 2003 के वर्ल्ड कप में भी 8 मैच एक के बाद एक जीते थे। भारत ने साउथ अफ्रीका को 243 रन के अंतर से हराया, ये साउथ अफ्रीका की वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले 2002 में टीम को पाकिस्तान ने 182 रन से हराया था। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत 2010 में आई थी, तब टीम को 153 रन से जीत मिली थी। वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका की सबसे बड़ी हार भी इससे पहले भारत के खिलाफ ही थी। 2015 में मेलबर्न के मैदान पर टीम ने 130 रन से मुकाबला जीता था।

वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका का सबसे छोटा स्कोर–साउथ अफ्रीका टीम वर्ल्ड कप में पहली बार 100 रन से कम के स्कोर पर ऑलआउट हुई है। इससे पहले 2007 में टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 149 रन पर ऑलआउट किया था। वनडे में टीम ने अपने दूसरे सबसे छोटे स्कोर की बराबरी की। टीम 83 रन पर तीसरी बार ऑलआउट हुई है, इससे पहले टीम को 2 बार इंग्लैंड ने भी 83 रन पर ढेर किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम 1993 में 69 रन पर ही सिमट गई थी, ये उनका इतिहास में सबसे छोटा स्कोर था।

नीमच जिले में 5172 मेट्रिक टन यूरिया वर्तमान में उपलब्ध हैं-संभागायुक्त

यूरिया की एक रैक नीमच में आज आएगी, कमिश्नर डॉ .गोयल ने की नीमच में उर्वरक उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा

नीमच, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। संभाग आयुक्त उज्जैन डॉ. संजय गोयल ने शनिवार की शाम को ऑफिसर मेस नीमच में नीमच जिले के अधिकारियों की एक बैठक में उर्वरक की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले के डबल लाक केंद्रो और सोसाइटियों में वर्तमान मैं पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है और निरंतर उर्वरक की आपूर्ति जिले में सुनिश्चित की जा रही है इस पर संभाग आयुक्त ने संतोष जताया।

बैठक में कलेक्टर श्री दिनेश जैन एडीएम सुश्री नेहा मीना जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद सहित कृषि सहकारिता मार्कफेड मार्केटिंग एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में संभाग आयुक्त डॉ संजय गोयल ने जिले में खाद की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था डबल लाक में भंडारण, समितियो के गोदाम में भंडारित खाद की मात्रा ,अब तक वितरित किए गए उर्वरक की मात्रा की विस्तार से समीक्षा की और जानकारी ली.बैठक में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बताया कि जिले में यूरिया की कोई कमी नही है। सहकारी समिति और नगद विक्रय केंद्रो से लगातार विक्रय किया जा रहा है। जिले में यूरिया की आज की उपलब्धता 5172 मेट्रिक टन है। रविवार को नीमच में यूरिया की एक रेक और पहुंच रही है इसके साथ ही कोटा से सड़क मार्ग द्वारा भी यूरिया की निरंतर आपूर्ति जिले में हो रही है जिले में खाद की कोई कमी नहीं है भविष्य में भी किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध करवाया जाएगा सहकारी समितियो और डबल लाक में भी पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है इसलिए किसान भाई किसी प्रकार की चिंता ना करें। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने किसानों से अपील की है कि जिले में यूरिया की कोई कमी नही है। सहकारी समिति और नगद विक्रय केंद्रो से लगातार उर्वरक विक्रय किया जा रहा है। जिले में यूरिया खाद की कोई कमी नहीं है। कमिश्नर डॉ गोयल ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सोसाइटियों को पाबंद करें कि खाद का अग्रिम भंडारण अपने गोदाम में करें आवश्यकता के अनुसार डबल लाक से सोसाइटियों के गोदाम में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।थोक उर्वरक विक्रेताओं को भी पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध करवाया जाए और उनके पास उपलब्ध स्टॉक की भी मॉनिटरिंग की जाए और थोक विक्रेताओं के माध्यम से भी किसानों को नगद खाद की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।कमिश्नर ने जिले में भविष्य की मांग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के उर्वरकों की अग्रिम मांग एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कांग्रेस केवल झूठे वादे व झूठी घोषणाएं करती है-देवड़ा

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी श्री जगदीश देवड़ा ने रविवार को बूढ़ा मण्डल के कई गांवों में जनसम्पर्क किया। जनसम्पर्क के दौरान श्री देवड़ा के साथ कई नेता व कार्यकर्त्ता भी साथ थे। कार्यकर्त्ता की टोली के साथ श्री देवड़ा ने सादगीपूर्ण रूप से जनसम्पर्क करते हुए कई गांवों में मतदाताओं के घर पहुंच कर आशीर्वाद मांगा। श्री देवड़ा ने चुनावी जनसम्पर्क की शुरूआत रविवार को ग्राम-गर्रावद से की। इसके बाद उन्होंने ग्राम-खेड़ा कोयला, खूंटी, खात्याखेड़ी, देवाखेड़ा, ढाणी, पिपलिया रायसिंह, ढोरी, हिंगोरियाबड़ा, आक्यामेड़ी, रातीतलाई, बरखेड़ाडांगी एवं ग्राम बिल्लौद में पहुंच कर क्षेत्र के मतदाताओं से सम्पर्क किया और प्रदेश में पुन: भाजपा की सरकार बनाने के लिए मतदाताओं से चुनाव में विजयश्री होने हेतु आशीर्वाद मांगा। श्री देवड़ा के साथ जनसम्पर्क में भाजपा बूढ़ा मण्डल अध्यक्ष श्री राजू राणा, श्री फूल सिंह कामलिया, शांतिलाल शर्मा, बालाशंकर धाकड़, पारस मावर, शरद जैन संजीत, सुरेश रूपरा, पप्पू सोनी, गोरधन डांगी, अर्जुन पंडित, नरेन्द्र सिंह चौहान सहित कई गणमान्य नागरिकगण साथ थे।

तख्तियों के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा हैं जागरूक

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देशन में जिले में मतदाता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित हो रही हैं। जिले में मतदाताओं को तख्तियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक किया जा रहा हैं साथ ही उन्हें दूसरों को मतदान के लिये प्रेरित किया जा रहा हैं। मतदाता जागरूकता की शपथ ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

किटियानी मंडलम में जैन ने किया जनसंपर्क

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कांग्रेस पार्टी के विधानसभा उम्मीदवार श्री विपिन जैन ने नगर के किटियानी मंडलम के वार्ड क्रमांक 2 व 14 के संजीत नाका, महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा ,नाहर सैयद रोड, पटेल नगर, संजय हिल्स, झुग्गी झोपड़ी, इंडस्ट्री एरिया में जनसंपर्क किया। इस अवसर पर श्री जैन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड महामारी के दौरान परिवार के मुखिया की मृत्यु होने से उनकी विधवा एवं अनाथ बच्चों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन सरकार बनने पर दी जाएगी। 500 रुपए में घरेलू गैस सिलेंडर प्रति माह परिवार को मिलेगा। हर नारी को नारी सम्मान स्वरूप 1500 रुपए प्रतिमा मिलेंगे।।

इस अवसर लोकसभा प्रभारी श्रीमती अलका क्षत्रिय विशेष रूप से उपस्थित रही वहीं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख ,मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर,शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष सर्वश्री अंबालाल हिंगोरिया, सलीम खान, जिला कांग्रेस पदाधिकारी गण में सर्वश्री तरुण खींची, राजेंद्र छाजेड़ सुरेंद्र कुमावत, कमलेश सोनी लाला, सुनील बसेर,शैलेंद्र बगैरवाल ,खलील खान, ताज मंसूरी, युसूफ अगवान, अनूप जोशी, नीलम वीरवाल , उस्मान मंसूरी, राजेश फरक्या, राजेश मंडवारिया, सुदीप पाटिल ,मोहम्मद हुसैन रिसालदार, जाहिर पठान, विजय सिंह सिसोदिया, सुनील बसेर, निर्मल बसेर, मोहम्मद हुसैन रिसालदार, रविंद्र पाटीदार, वहीद जेदि प्रमोद भावलकर, अभिषेक पाटीदार, उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निर्विकार रातडिया ,महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रूपल संचेती,नगर पालिका मंदसौर प्रतिपक्ष की नेता रफत पयामी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में किटियानी मंडलम अध्यक्ष पंकज जोशी ने सभी का आभार माना। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने दी।

भाजपा की सरकार ने दलौदा क्षेत्र का समग्र विकास किया- सिसोदिया

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने विकास को गति दी है। 20 साल पहले जो मध्य प्रदेश बीमारू राज्यों की श्रेणी में था वह आज स्वर्णिम मध्य प्रदेश बन गया है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और गांव तक का विकास हुआ है। इसमें मंदसौर विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है, जहां गांव -गाँव में विकास के काम हुए हैं। दलौदा में भी शहर की भांति विकास के काम हुए, जिसका लाभ न केवल दलौदा वरन पूरे आसपास के अंचल के नागरिकों को मिल रहा है।

यह बात मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहीं। वे दलौदा मंडल के ग्राम दलौदा रेल, लखमाखेड़ी, लालाखेड़ा पटेला, मजेसरी, मजेसरा, देहरी, ताजखेड़ी, गरोड़ा, सगवाली, भंडारिया, बनी में मतदाताओं से जनसंपर्क करते हुए कही। इस दौरान संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने दलौदा क्षेत्र का समग्र विकास किया है। जिसके कारण आज दलोदा नंबर वन बन गया है।

सोजतिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में किया जनसंपर्क

भानपुरा, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष कुमार सोजतिया ने रविवार 5 नवंबर को गरोठ क्षेत्र के ग्रामों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क किया। इस दौरान श्री सोजतिया का ग्रामीणों ने पुष्प हारो से स्वागत किया। श्री सोजतिया ने रविवार सुबह गरोठ क्षेत्र के ग्राम वराहखेड़ी से जनसंपर्क का शुभारंभ कर ग्राम जस्साखेड़ी, बोरखेड़ी, ओड़ का खेडा, पिपलिया जत्ती, होड़, बासगोन, चंदरपुरा, एरिया, ढाबा, खेरखेड़ा भाट, बागरी खेड़ा, नारायणी, पीपलखेड़ा, सूरजना, जालीया, रामनगर, बरखेड़ा गंगासा, आक्या कुंवरपदा मे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर जनसंपर्क किया। श्री सोजतिया ने गांव में सभाओं संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता चुनाव जीतने के लिए चुनावी युद्ध के मैदान में है। और गरीब व सर्वहारा वर्ग की सेवा में कांग्रेस कार्यकर्ता ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। जनसेवा जीवन का लक्ष्य है। कांग्रेस हमेशा से आमजन के सपनों को सच्चाई में बदलती है। जन-जन के विचार को धरातल पर उतारती है।

भाजपा मनासा नगर कार्यालय का शुभारंभ

मनासा, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। भाजपा के नगर कार्यालय का शुभारंभ शनिवार को गणेशपुरा गली में स्थित काबरा भवन में हुआ। इस अवसर पर गुजरात सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवम वर्तमान में जेतपुर राजकोट से विधायक जयेश भाई राडडिया, मंडल अध्यक्ष मुकेश डांगी, संगठन विस्तारक लोकेश अरोरा, नगर परिषद अध्यक्ष डा सीमा अजय तिवारी, नगर चुनाव प्रभारी कैलाश आगार, पंकज पोरवाल , सत्यनारायण सोडानी, विजय शर्मा, जीतू फरक्या, ललित ओझा, महेश मंत्री, किशोर जोलान्या, दशरथ प्रजापति, अश्विन सोनी, सर्वेश मारू , नगर के पार्षदगण, व बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

मतदान कर्मियों का द्वितीय प्रशिक्षण आज से

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतदान सम्पन्न कराने के लिए मंदसौर, सुवासरा, गरोठ एवं भानपुरा विधानसभा के लिए नियुक्त मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। मंदसौर विधानसभा के लिए नियुक्त मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण 6 नवंबर को, गरोठ विधानसभा के लिए नियुक्त मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण 6 और 7 नवंबर को, सुवासरा विधानसभा के लिए नियुक्त मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण 8 और 9 नवंबर को, मल्हारगढ़ विधानसभा के लिए नियुक्त मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण 10 और 11 नवंबर को शासकीय महाविद्यालय मंदसौर में प्रात: 9 बजे से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मतदाता जागरूकता के अंतर्गत क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। नोडल अधिकारी (स्वीप) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एमडीएस-11, Dream-11, Balaji-11, जिला प्रशासन, MP टाइगर, यॉर्क-11, चर्शी-11 एवं टीसीएल-11 कुल आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच टीसीएल-11 एवं एमडीएस-11 के बीच खेला गया। एमडीएस-11 विजेता रही तथा टीसीएल - 11 को उपविजेता रही। विजेता टीम एवं उपविजेता टीम को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल से सम्मानित किया गया । इस दौरान जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह देवड़ा, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर क्रीड़ा अधिकारी राजू कुमार, महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी बि.आर. मुजाल्दे, अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। नूतन स्टेडियम मंदसौर में जूनियर वर्ग में मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता टीम को मेडल से सम्मानित किया गया एवं मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत प्रतिभागियों को मतदान की शपथ दिलाई गई।

विधानसभा निर्वाचन तहत मशाल रैली निकाली

नीमच, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशानुसार जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा के मार्गदर्शन से मतदाता

जागरूकता अभियान के तहत युवाओ में मतदान के प्रति जागरूकता के लिए मशाल रैली का आयोजित की गई। खेल और युवा कल्याण विभाग और शिक्षा विभाग के द्वारा शा.बा.उ. मा.विद्यालय क्र.2 नीमच पर युवाओं के द्वारा मशाल रैली आयोजित कर युवाओं को मतदान करने के लिये जागरूक किया। यह रैली क्र.2 स्कूल से फ्रूट मार्केट होते हुए कमल चोक और गायत्री मन्दिर रोड़ होते हुए वापिस क्र.2 स्कूल पर समाप्त हुई। इस दौरान स्कूल के प्रभारी प्राचार्या श्री राधेश्याम धाकड़ ने उपस्थित युवाओ को मतदान का महत्व बताया और मतदान के लिए शपथ दिलाई।

जिले के नगद विक्रय केंद्र बढ़ाकर 15 किये

दलौदा एवं नीमच रैक पाइंट से अतिरिक्त यूरिया प्राप्त

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। जिले में दलौदा रैक पाईट पर चम्बल यूरिया की 1815 मे.टन तथा नीमच रैक पाईट पर एन.एफ.एल. यूरिया की 2432 मे.टन की रैक आई है। जिससे जिले में नगद वितरण केन्द्र, सोसायटी और निजी विक्रेताओं के यहां से किसान यूरिया ले सकता है। वर्तमान में मन्दसौर जिले में नगद विक्रय केन्द्र बड़ा कर 15 किये। यहां से किसान भाईयों को नगद में यूरिया उपलब्ध हो जावेगा। साथ ही निजी यूरिया विक्रेता के यहां फिल्डर स्टॉफ निगरानी में यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा। गेंहू की बोनी 15 नवंबर के पश्चात आरम्भ होगी और बोनी के समय डी.ए.पी., एन.पी.के., सुपर फॉस्फेट उर्वरक का उपयोग कर लेंवे। बोनी के पश्चात 21 दिन बाद प्रथम सिंचाई के समय यूरिया की आवश्यकता रहेगी। इसके बाद बोनी से 42 दिन पश्चात दूसरी सिंचाई के समय यूरिया की आवश्यकता रहेगी। अत: यूरिया की आवश्यकतानुसार ही खरीदी करें और अनावश्यक यूरिया भण्डारण नहीं करें। किसानों को आगामी समय में सुलभता से यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा।

ऑब्जर्वर जावले द्वारा मनासा क्षेत्र के मतदान केंद्रो का निरीक्षण

नीमच, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर श्री किशन नारायण राव जावले ने रविवार को मनासा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर, मतदान केंद्रों पर उपलब्ध एएमएफ सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों का आवश्यक निर्देश भी दिए। प्रेक्षक श्री जावले ने मनासा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लसुडी आंत्री में मतदान केंद्र क्रमांक 147 का निरीक्षण कर, मतदाताओं की संख्याक, पुरूष व महिला मतदाताओं की संख्यात, मतदान केंद्रों पर प्रवेश एवं निकासी की व्यमवस्थाख, रैम्पु निर्माण सहित सुव्यबवस्थित मतदान के लिए उपलब्धो सुविधाओं का जायजा लिया।

जनजागरूकता से ही मंदसौर व देश की उन्नति होगी-भूरिया

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। अपने नगर व देश की उन्नति के लिए चुनाव में मतदान करने की बात हो या पर्यावरण, स्वच्छता अथवा जल बचाने का विषय हो। हर क्षेत्र में आमजन की जागरूकता से ही हमारा प्रजातंत्र सुदृढ़ होगा व हमारे मन्दसौर के साथ ही पूरा देश प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होगा। आमजन बिना किसी लालच में आए प्रजातंत्र में चुनाव के इस महायज्ञ में दिनांक 17 नवम्बर को मतदान कर अपनी आहुति देने से न चुकें।

उक्त बात समाजसेवी सत्यनारायण भूरिया ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को मतदान, स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में राजाराम तंवर, सिद्धार्थ तंवर अजीजुल्लाह खान, वीरेंद्र भट्ट, सुनील व्यास, राजनारायण भटनागर रमेश सोनी आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

7 स्ट्राइकर रहा फुटबॉल लीग का विजेता

फाइनल मुकाबले में कॉन्कर्स को 4-2 से पराजित किया

मंदसौर, 5 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। साई फुटबॉल क्लब मंदसौर द्वारा आयोजित की जा रही है साई फुटबॉल लीग प्रतियोगिता का आज भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा लीड कॉलेज खेल अधिकारी राजू कुमार खेल अधिकारी शिक्षा विभाग बेरीवाला जी वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक अशोक जी शर्मा, महेंद्र शुक्ला, महिला व बाल विकास अधिकारी श्री बी आर मुजाबोल व प्रवेश जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे समापन समारोह से पूर्व खेल विभाग व महिला बाल विकास द्वारा मतदाता जागरूकता के अंतर्गत सभी खिलाड़ियों को अधीक से अधिक मतदान करने व अपने परिचितों को मतदान करने हेतु जागृत करने की शपथ दिलाई। विजेता टीम को स्वर्ण व उप विजेता को रजक पदक मतदाता जागरूकता के अंतर्गत प्रदान किए गए विजेता टीम को टी-शर्ट यातायात सूबेदार श्री शैलेंद्र सिंह जी चौहान की ओर से भेंट किए गए प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नमन राठौर को स्पाइक शूज प्रदान किए गए व प्रतियोगिता के बेस्ट स्कोर अंशुमान बाजपेई, वेस्ट कप्तान निहाल कल्याण को ट्रॉफी व विजेता टीम को ट्रॉफी साई फुटबॉल क्लब की तरफ से प्रदान की गई। यह अपने आप में एक नए तरह का प्रयोग साई फुटबॉल क्लब के सचिव राकेश श्रीवास्तव और प्रशिक्षक निमिष दुग्गड द्वारा किया गया जिसमें सीनियर जूनियर व मिनी आयु वर्ग के खिलाड़ी एक टीम के रूप में खेल रहे थे जिससे भविष्य में आने वाले खिलाड़ियों को अपने सीनियर खिलाड़ियों से खेल कौशल व संयम सीखने का अवसर मिले वह सीनियर खिलाड़ियों में नेतृत्व करने की क्षमता का विकास हो सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए किस तरह से प्रोत्साहित किया जा सकता है। फुटबॉल विश्व का सबसे ज्यादा प्रचलित व खेले जाने वाला खेल है मंदसौर में इसकी लोकप्रियता को बढ़ाने की बहुत आवश्यकता है खिलाड़ियों ने व प्रशिक्षको ने खेल विभाग व शिक्षा विभाग के अधिकारियों से निवेदन किया कि इस खेल मैदान जो नगर के बीच फुटबॉल के लिए आदर्श मैदान है मैं बुनियादी सुविधाएं वह रखरखाव की व्यवस्था यदि हो जाती है तो निश्चित रूप से यहां से बड़े लेवल के खिलाड़ी निकाल सकते हैं इस साई फुटबॉल क्लब में प्रशिक्षण प्राप्त कर इस वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 17 बालक बालिका खिलाड़ी चयननित हुए व उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व किया। यह नगर के लिए अभी तक के फुटबॉल इतिहास की बड़ी उपलब्धि है बस आवश्यकता है इस खेल को व खेल मैदान को सुव्यवस्थित किया जाए इस अवसर पर वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी दीपक शर्मा, कमल कंडारे, गोवर्धन सिंह चौहान, अंकित मंडोवरा, विपिन शर्मा, अंशुल शर्मा, सुमित छाबड़ा,विशेष रूप से उपस्थित थे।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28-07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in